अप्रैल 2023 वर्ष 2, अंक 4

दयालबाग़ एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)

डी.ई.आई.– मासिक समाचार

"उत्कृष्टता (excellence) कभी भी आकस्मिक नहीं होती। यह हमेशा उच्च इरादे, ईमानदार प्रयास और बुद्धिमानी से अमल का परिणाम होती है। यह कई विकल्पों में बुद्धिमानी से चुने हुए विकल्प का प्रतिनिधित्व करती है – उचित चुनाव, न कि संयोग, आपके भाग्य को निर्धारित करता है।"

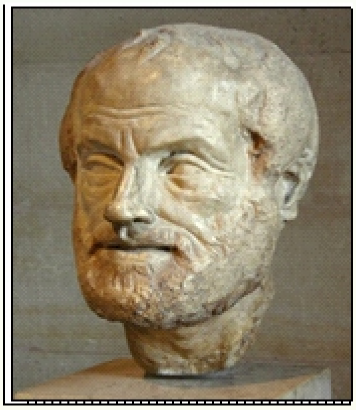

–एरिस्टॉटल

खंड

खंड 'क' : डी.ई.आई. 3

खंड 'ख' : डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा.. 7

खंड 'ग' : डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (AADEIs & AAFDEI) 10

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट
(डीम्ड टु बी यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा– 282005

विषय–सूची

खंड क: डी.ई.आई.

1. 'सिस्टम्स अप्रोच टू एक्सेलेरेट मोबिलिटी' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी.....3
2. सेनेका कॉलेज कनाडा के साथ **MoU** का नवीनीकरण.....4
3. प्रो. आलोक आर. चतुर्वेदी, परड्यू विश्वविद्यालय का भ्रमण.....4

संकाय समाचार.....5

4. कला संकाय.....5

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर कार्यशाला का आयोजन.....5

शिक्षकोप्लब्धियाँ 6

छात्रोप्लब्धियाँ 6

5. डी.ई.आई. ने अंतर्राष्ट्रीय युवा महोत्सव 'घूमर' में चौम्पियनशिप ट्रॉफी जीती.....6

खंड ख: डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा

6. कोऑर्डिनेटर की डेस्क से.....7
7. सूचना केन्द्रों से समाचार 8

तीसरी **APAC** टेक्सटाइल और ड्रेस प्रदर्शनी (**TeDEx**) पर रिपोर्ट.....8

रुड़की केंद्र में प्राथमिक उपचार जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया.....9

डी.ई.आई. सूचना केंद्र दयाल नगर, विशाखापत्तनम ने प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन किया ....9.

खंड ग: डी.ई.आई. के भूतपूर्व छात्र (AA DEIs & AAFDEI)

8. संपादक की डेस्क से.....10.
9. मूल्य–आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का महत्त्वः आज की मनो– सामाजिक समस्याओं के लिए रामबाण.........10

रीडर्स कॉलम.....12

10. दयालबाग़ में कृषि पारिस्थितिकी सह सटीक खेती: सभी के लिए एक सतत कृषि पारिस्थितिकी तंत्र 12
11. विचारोत्तेजक लेख 13
12. पूर्व छात्र बाइट्स.....13.

प्रकाशन समितियाँ / सम्पादकीय बोर्ड 14

खण्ड 'क' : डी.ई.आई.

'सिस्टम्स अप्रोच टू एक्सेलेरेट मोबिलिटी' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

एसोसिएशन फॉर ट्रांसपोर्ट डेवलपमेंट इन इंडिया (ए टी डी आई), नई दिल्ली के सहयोग से 8 अप्रैल, 2023 को दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के इंटरनेशनल सेमिनार हॉल कॉम्प्लेक्स में 'सिस्टम्स अप्रोच टू एक्सेलेरेट मोबिलिटीः नीड फॉर सेफ्टी एंड सिक्युरिटी (ऑनलाइन)' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। लगभग 25 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों, सरकारी अधिकारियों, सलाहकारों, शिक्षाविदों और अन्य अधिकारियों ने कार्यक्रम में अपनी आमंत्रित वार्ता प्रस्तुत की।

इस कार्यक्रम को श्रद्धेय प्रो पी.एस. सतसंगी साहब, अध्यक्ष, शिक्षा सलाहकार समिति {गैर–सांविधिक (non statutory) निकाय डी.ई.आई. (डीम्ड–टू–बी–यूनिवर्सिटी) दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के लिए एक प्रबुद्ध मंडल (thinktank) के रूप में सेवारत} के उद्घाटन भाषण कॉम्बेटिव रोल्स इन डिफेंस फोर्सेज़' के रूप में आशीर्वाद मिला। {राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जैसे **AADEIs, AAFDEI, DRSAA** (ऑस्ट्रेलिया), **DRSAE** (यूरोप), **DRSANA** (उत्तरी अमेरिका), **DRSAAP** (एशिया प्रशांत), **DRSAS** (श्रीलंका)}।

इस कार्यक्रम में 'दयालबाग़ में शिक्षा का विकास' पर एक विशेष वृत्तचित्र भी प्रदर्शित किया गया और पाठ्यक्रमों, कार्यक्रमों, बहु–कौशल–सह–चिकित्सा शिविरों, एन एस एस, एन सी सी, रैपिड एक्शन फोर्स, सुपरमैन विकासवादी योजना जैसी अलौकिक विकासवादी गतिविधियों की श्रृंखला को प्रदर्शित किया गया और दयालबाग़ शिक्षा प्रणाली के 200 से अधिक वर्षों के इतिहास का उत्सव मनाया गया – परिवहन से संबंधित सभी पहलुओं जैसे नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग, संचार, ईंधन और ईंधन दक्षता का उपयोग, टोल प्लाजा पर प्रदूषण और देरी, ड्रोन प्रौद्योगिकी की तैनाती, चालक की थकान की निगरानी के लिए कृत्रिम सामान्य बुद्धिमत्ता (Artificial General Intelligence), प्रभावी पुलिसिंग, मोबाइल सेवाएं, विशेष रूप से दुर्घटनाओं के मामले में शीघ्र चिकित्सा सहायता, उपयुक्त दूरी पर ट्रॉमा सेंटर के लिए प्रावधान, फ्रेट कॉरिडॉर के लिए प्रावधान, समर्पित मालवाहकों द्वारा लंबी दूरी के परिवहन की अनुमति देकर दुर्घटनाओं से सुरक्षा सुनिश्चित करना और आपदा प्रबंधन को सेमिनार में शामिल किया गया।

आमंत्रित वक्ताओं की सूची में डॉ. पवन अग्रवाल आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त), राष्ट्रीय रसद नीति, एन एल पी 2022 के लेखक, प्रो. प्रेम व्रत, प्रो–चांसलर, प्रोफेसर ऑफ एमिनेंस एंड चीफ मेंटर, नॉर्थकैप यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम, हरियाणा, प्रोफेसर पी.के. सिकदर, सलाहकार, इंटरनेशनल रोड फेडरेशन (इंडिया चैप्टर) सेफ्टी एंड सिक्योरिटी इन हाईवे एंड एक्सप्रेसवे नेटवर्क डेवलपमेंट्स इन इंडिया, श्री डी. सान्याल, प्रबंध निदेशक, क्राफ्ट्स कंसल्टेंट्स, प्रो. मनोरंजन परीदा, निदेशक, केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली, श्री बी. शंकर जायसवाल, आई.पी.एस., संयुक्त पुलिस आयुक्त (संचालन) प्रौद्योगिकी और दिल्ली पुलिस, नई दिल्ली

के परियोजना कार्यान्वयन प्रभाग, श्री केशव कुमार चौधरी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त, आगरा, श्री अरुण चंद्रा, पुलिस अधीक्षक, आगरा ट्रैफिक पुलिस, डॉ. एम.एस. भारद्वाज, वरिष्ठ बाल रोग सलाहकार जियोद्या अस्पताल, दिल्ली, श्री अनूप श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष, राधास्वामी सत्संग सभा, दयालबाग़ और कुछ अन्य। योगदानकर्ताओं ने समयबद्ध तरीके से दुर्घटना मुक्त गतिशीलता और कनेक्टिविटी में तेजी लाने के लिए नीतिगत कार्रवाई के लिए bullets के रूप में कार्यान्वयन योग्य विचारों और सिफारिशों पर विचार किया और सुझाव दिया। सभी स्तरों पर जवाबदेही के साथ बचाव और सुरक्षा को सभी ने सर्वोच्च प्राथमिकता दी।

सेनेका कॉलेज कनाडा के साथ MoU का नवीनीकरण

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट ने नई दिल्ली में 26 फरवरी, 2023 को कौशल विकास पर तीसरी इंडो–कनाडाई संगोष्ठी के दौरान सेनेका कॉलेज, ओंटारियो, कनाडा के साथ समझौते का नवीनीकरण किया। समझौते पर सेनेका कॉलेज के अध्यक्ष श्री डेविड एग्न्यू और डी.ई.आई. के निदेशक प्रो. प्रेम कुमार कालरा ने हस्ताक्षर किए, जिनका प्रतिनिधित्व आई.आई.टी. दिल्ली में कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग के प्रोफेसर डॉ. हुजूर सरन डी.ई.आई. अकादमिक परिषद और प्रभारी, डी.ई.आई. सूचना केंद्र, स्वामी नगर, नई दिल्ली और श्रीमती रीना अहूजा, प्रशासक, डी.ई.आई. आई सी टी केंद्र, स्वामी नगर, नई दिल्ली ने किया। भारत में कनाडा के उच्चायुक्त महामहिम श्री कैमरून मैकेय, राजदूत अजय बिसारिया, कनाडा और पाकिस्तान में भारत के पूर्व उच्चायुक्तय श्री विष्णु प्रकाश, कनाडा और दक्षिण कोरिया में भारत के पूर्व उच्चायुक्त; राजदूत अशोक सज्जनहार, कजाकिस्तान, स्वीडन और लातविया में भारत की पूर्व राजदूत; सुश्री इला सिंह, उप नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, भारत सरकार, और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति में MoU हस्ताक्षरित किया गया।

प्रो. आलोक आर. चतुर्वेदी, परड्यू विश्वविद्यालय का भ्रमण

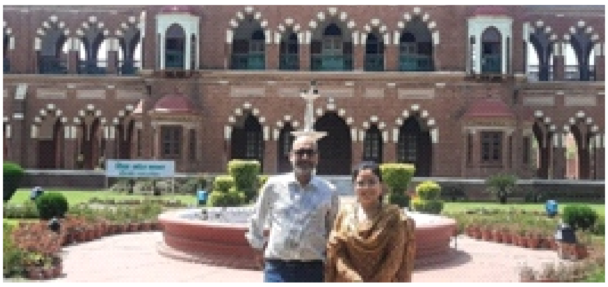

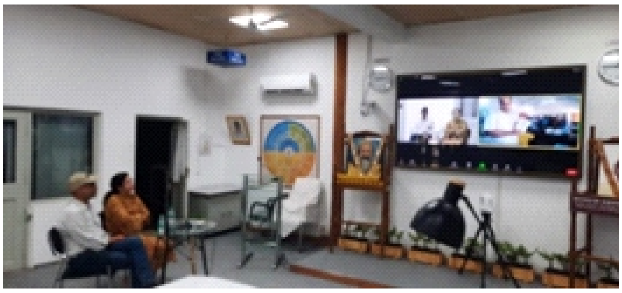

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रोफेसर आलोक आर. चतुर्वेदी, परड्यू विश्वविद्यालय, यू.एस.ए. को दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट सहित उत्तर प्रदेश के चार विश्वविद्यालयों का अध्ययन करने और उनकी अनूठी और नवीन विशेषताओं पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया। प्रो. चतुर्वेदी ने अपनी बेटी सुश्री अपूर्वा त्रिपाठी, नीति आयोग, मध्य प्रदेश के साथ 7 अप्रैल, 2023 को संस्थान का भ्रमण किया। इसके बाद, उन्होंने संस्थान के छात्रों के साथ बातचीत करने के लिए अनुपम उपवन और सेमिनार हॉल का भ्रमण किया। बातचीत के बाद, उन्होंने सेमिनार हॉल में आयोजित डी.ई.आई. की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। छात्रों ने अपनी प्रतिभा और संस्थान में प्रगति के कार्य का प्रदर्शन किया। इसके बाद उन्होंने लेदर सेक्शन एवं कार्ट में जाकर प्लास्टिक

मोल्डिंग मशीन एवं ऑटोमेटिक सॉक्स निटिंग मशीन का प्रशिक्षण कार्य देखा। उन्हें कार्ट की कार्यप्रणाली के बारे में एक लघु फिल्म भी दिखाई गई। दोनों आगंतुकों ने कार्ट द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने सूचना–संचार–तंत्रिका–संज्ञानात्मक प्रौद्योगिकी सहायता प्राप्त भाषा प्रयोगशाला का भी भ्रमण किया, जिसे (''आई–सी–एन–सी) टॉल'' कहा जाता है और संस्थान के छात्रों के लिए विशेष रूप से स्कूली छात्रों के लिए विभिन्न भाषाओं में शिक्षण और अधिगम की पद्धति को देखकर वह बेहद खुश थे। फिर उन्होंने डेयरी टेक्नोलॉजी लैब और हर्बल गार्डन का भ्रमण किया। संस्थान के डेयरी परिसर में, उन्होंने कृषि–सौर परियोजना का भी भ्रमण किया और संप्रति भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले इटली में डी.ई.आई. संकाय द्वारा आयोजित कार्यशाला से अवगत हुए। बाद में, उन्होंने रसायन विज्ञान विभाग, भौतिकी विभाग और क्वांटम प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला का भ्रमण किया। संस्थान में चल रहे नवीनतम विकास और अनुसंधान कार्य को देखने के लिए राजाबरारी टीम के साथ मल्टीमीडिया में एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया। समन्वयक, राजाबरारी टीम ने उन्हें हरदा, मध्य प्रदेश और टिमरनी, हरदा जिले के आदिवासी गाँवों के समूह एवं राजाबरारी में चल रही गतिविधियों से अवगत कराया, जो बहुत ही जानकारीपूर्ण और प्रशंसनीय थी। बाद में, उन्होंने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए हथकरघा वस्त्र प्रशिक्षण परियोजना और 3–डी प्रिंटिंग लैब का भ्रमण किया। लैब में अपनाई गई नवीनतम शोध पद्धतियों को देखकर आगंतुक बौद्धिक रूप से प्रभावित हुए। स्कूल ऑफ एजुकेशन में आगंतुकों के सम्मान में एक लघु सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान की गतिविधियों के माध्यम से और एग्रोइकोलॉजी कम प्रेसिशन फार्मिंग फील्ड्स को देखने के बाद, प्रो. आलोक आर. चतुर्वेदी ने टिप्पणी की:

''दयालबाग़ की मेरी यात्रा एक रहस्योद्घाटन (revelation) थी। शिक्षा, अनुसंधान और उद्यमिता के मामले में यह वास्तव में एक दृढ़ (strong) विश्वविद्यालय है। संकाय ने सीखने वाले छात्रों के लिए बहुत प्रतिबद्धता दिखाई है और उनके कार्य पर गर्व होता है। सामुदायिक खेती जहां समुदाय के 1000 से अधिक लोग खेती में प्रतिभागिता करते हैं, वह काफी अनोखी है। यह पर्ड्यू विश्वविद्यालय के साथ सहयोग करने का एक उत्कृष्ट अवसर है।''

संकाय समाचार

कला संकाय

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर कार्यशाला का आयोजन– पी जी डी जे एम सी, अंग्रेजी विभाग के छात्रों के लिए 31 मार्च एवं 01 अप्रैल, 2023 को 'इलेक्ट्रॉनिक मीडिया' विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का पहला दिन एक उद्घाटन सत्र के रूप में संस्थान की प्रार्थना के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद एक प्रतिष्ठित मीडिया व्यवसायी डॉ. अतुल उपाध्याय का स्वागत किया गया, जो विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे। पहले सत्र में, छात्रों ने वीडियो कैमरे के विभिन्न

भागों की कार्यप्रणाली सीखी जैसे; लेंस, फोकस रिंग, ज़ूम रिंग, माइक्रोफोन, व्यूफाइंडर आदि। कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. उपाध्याय ने आउटडोर शूट की तकनीक सिखाई, जिसमें असमान सतहों पर एक ट्राईपौड पर कैमरे को कैसे ठीक किया जाए और प्राकृतिक प्रकाश में सफेद को कैसे संतुलित किया जाए, और फोकस नियंत्रण के विषय में बताया। छात्रों ने विभिन्न स्थानों का भ्रमण किया और आउटडोर शूटिंग के साथ व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

शिक्षकोप्लब्धियाँ–

- डॉ. सीमा कश्यप ने 3 मार्च, 2023 को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित 'आगरा बाजरा मेला' में बाजरा रसोइया पाक कला प्रतियोगिता में एक पुरस्कार प्राप्त किया, जिसमें वह विशिष्ट अतिथि और निर्णायक थीं।

- डॉ. प्रेम शंकर सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, सारनाथ, बनारस में 3–4 मार्च, 2023 को विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रतिभागिता प्रदान की और ''बुद्ध की धरती पर कविता'' विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने 17–18 मार्च, 2023 को राजीव गांधी पी जी कॉलेज, अंबिकापुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 'पर्यावरण और साहित्य' में आमंत्रित वक्ता के रूप में भी भाग लिया।

छात्रोप्लब्धियाँ

डी.ई.आई. ने अंतर्राष्ट्रीय युवा महोत्सव 'घूमर' में चौम्पियनशिप ट्रॉफी जीती।

दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के छात्रों ने 5 से 6 अप्रैल, 2023 तक राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 18वें अंतर्राष्ट्रीय युवा महोत्सव 'घूमर' में ललित कला और साहित्य प्रतियोगिताओं में कई पुरस्कार जीते। छात्रों के नाम और विजेता इस प्रकार हैं: चिंकी (बी एफ ए) – ऑन–द–स्पॉट पेंटिंग और मेहंदी में प्रथम, गरिमा सिंह (बी एफ ए) – रंगोली में प्रथम, वैशाली सिंह (बी एफ ए) – कोलाज मेकिंग, ग्रैफिटी और मांडना में द्वितीय, गुंजन शर्मा (बी एफ ए) – पोस्टर मेकिंग में तृतीय एंड कार्टूनिंग, निशा कुमारी (बी एफ ए) – फेस पेंटिंग में तृतीय, संगीत विभाग और अभियांत्रिकी संकाय के छात्र – लोक समूह गीत में द्वितीय और हिंदी विभाग (ऑनर्स और स्नातकोत्तर) की छात्राओं ने हिंदी नुक्कड़ नाटक में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अभियांत्रिकी संकाय की श्रेया सरन –निबंध लेखन में तृतीय, एवं कार्तिके; दत्त वाद विवाद में तृतीय रहे। वाणिज्य संकाय की मुस्कान ने एकल नृत्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अन्ततः डी.ई.आई. को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए ओवरऑल चौंपियनशिप ट्रॉफी भी प्राप्त हुई।

खण्ड 'ख' : डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा

कोऑर्डिनेटर की डेस्क से

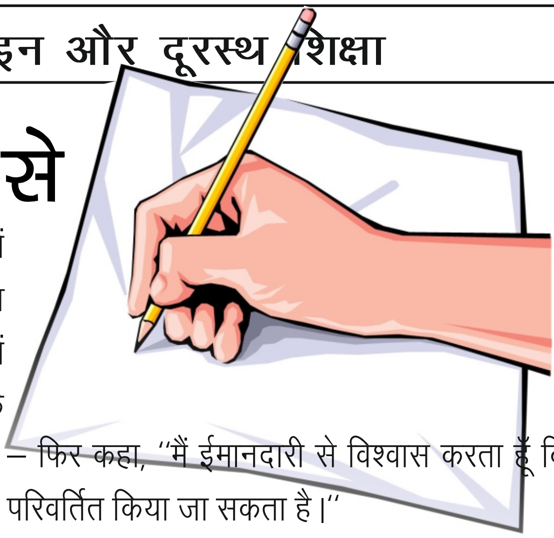

18 फरवरी, 2023 को आयोजित डी.ई.आई. के 41वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि श्री संजय जाजू, आई ए एस, पूर्व अतिरिक्त सचिव, रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने दर्शकों से कहा [1] "....मैं नवाचार के बारे में भावुक हूं और इसे युवा पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक सिद्धान्त, एक प्रभार के आन्दोलन को एक एजेंडा के रूप में स्थापित करने की इच्छा रखता हूँ" – फिर कहा, "मैं ईमानदारी से विश्वास करता हूँ कि केवल नवाचार की प्रक्रिया के माध्यम से ही ज्ञान को समाज के लिए धन में परिवर्तित किया जा सकता है।"

ग्लोबल इनोवेशन इंडेक्स (GII) 2022 कुल मिलाकर 132 देशों के इनोवेशन इकोसिस्टम के प्रदर्शन को कैप्चर करता है और सबसे हालिया ग्लोबल इनोवेशन ट्रेंड [2] को ट्रैक करता है। जी आई आई स्कोर निम्नलिखित 7 श्रेणियों पर आधारित हैं: व्यापार परिष्कार, मानव पूंजी और अनुसंधान, संस्थान, बुनियादी ढांचा, बाजार परिष्कार, ज्ञान और प्रौद्योगिकी उत्पादन और रचनात्मक उत्पादन। नवाचार में पहले पांच सबसे उत्कृष्ट देश और उनके स्कोर इस प्रकार हैं: [i] स्विट्जरलैंड (64.6), [ii] संयुक्त राज्य अमेरिका (61.8), [iii] स्वीडन (61.6), [iv] यूनाइटेड किंगडम (59.7), और [v] नीदरलैंड (58.0)। भारत 36.6 के स्कोर के साथ 40वें स्थान पर है जिसने वर्ष 2015 में 66वें स्थान से अपनी रैंकिंग में सुधार किया है।

अपने दीक्षांत भाषण में, श्री संजय जाजू ने सबसे तेजी से बढ़ते "स्टार्ट–अप" राष्ट्र के रूप में उभरने के लिए नवाचार में भारत की सफलता को जिम्मेदार ठहराया। यह लगभग हर हफ्ते एक यूनिकॉर्न (unicorn) पैदा कर कई रिकॉर्ड तोड़ रहा है। फिर वे एक दिलचस्प अवलोकन करते हैं – "जबकि लगभग 50% यूनिकॉर्न स्टार्ट–अप IIT और IIM जैसे कुलीन संस्थानों में हुए थे, बाकी टियर 2 या टियर 3 शहरों से हैं। यह दर्शाता है कि सही मायने में नवाचार का यही वास्तविक लोकतंत्रीकरण है।

नीति आयोग के पूर्व सी ई ओ श्री अमिताभ कांत ने एक दिलचस्प लेख में सवाल उठाया है: भारत को मानव पूंजी का पावरहाउस कैसे बनाया जाए?[3] और वे एक त्वरित उत्तर प्रदान करते हैं: "सबसे अधिक आबादी वाले देश के युवाओं में उनके पोषण, शिक्षा और कौशल में निवेश करें"। वह हमें लेख में बताते हैं – 2030 तक 1 अरब से अधिक भारतीय 15–64 के कामकाजी आयु वर्ग के भीतर होंगे। यह भारत को मानव पूंजी के पावरहाउस और दुनिया में मानव संसाधनों के सबसे बड़े उत्पादक के रूप में स्थापित करेगा। यह हमें अपने अभूतपूर्व जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने का एक अभूतपूर्व अवसर प्रदान करता है।

भारत के युवा पहले से ही एक बड़ी संपत्ति हैं। 100 से अधिक यूनिकॉर्न और 80,000 से अधिक स्टार्टअप हैं। भारतीय स्टार्टअप स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और वित्तीय सेवाओं जैसे प्रमुख क्षेत्रों में नवाचार कर रहे हैं। भारत में एस टी ई एम (STEM) स्नातकों का सबसे बड़ा पूल (Pool) भी है और 47% के साथ, STEM महिला स्नातकों में वैश्विक नेता है। यदि इस युवा उभार को सही ढंग से पोषित किया जाए, तो महत्वपूर्ण विचारक, बदलाव लाने वाले और नेता पैदा होंगे जो अगले कुछ दशकों में भारत की विकास गाथा को आगे बढ़ाएंगे।

स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कौशल विकास और वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों में एक अभिसरण दृष्टिकोण के माध्यम से इस युवा आबादी के समग्र कल्याण में निवेश करना अब पहले से कहीं अधिक अनिवार्य है।

इस पृष्ठभूमि में डॉ. अनिल काकोडकर [4] द्वारा उद्धृत एक उदाहरण को याद करना दिलचस्प है कि ''स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों और संकाय ने लगभग 40,000 कंपनियां बनाई हैं जो वार्षिक राजस्व में लगभग 2.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर उत्पन्न करती हैं। ध्यान दें कि एक विश्वविद्यालय से संबंधित यह संख्या समग्र रूप से भारतीय अर्थव्यवस्था के आकार के आसपास है। हमें अपने विश्वविद्यालयों में ऐसा इकोसिस्टम बनाने की जरूरत है। IIT Madras में रिसर्च पार्क इस दिशा में भारत में एक अच्छी शुरुआत है। ऐसे और भी उदाहरण बनने की प्रक्रिया में हैं। हमें इस तरह की कई और पहलों की जरूरत है।''

(प्रो. वी.बी. गुप्ता)

References:

[1] 41st Convocation of DEI on 18th February, 2023: Address of Dr. Sanjay Jaju, IAS, DEI Publication

[2] Global Innovation Index 2022 at a Glance: https://www.wipo.int/edocs/pubdocs/en/wipo-pub-2000-2022-section1-en-gii-2022-at-a-glance-global-innovation-index-2022-15th-edition.pdf

[3] Shri Amitabh Kant: How to make India a Human Capital Power House, The Times of India, April 21, 2023

[4] Convocation Address of Dr. Anil Kakodkar at MGM University Aurangabad on November 24, 2022, University News, February 20-26, 2023.

सूचना केंद्रों से समाचार

तीसरी APAC टेक्सटाइल और ड्रेस प्रदर्शनी (TeDEx) पर रिपोर्ट

28 YEARS

Prajadarbar

Telugu Daily

PRAJADARBAR TELUGU DAILY

Dayal Bagh Educational Institute Students Self Production Exhibition

15 व 16 अप्रैल, 2023 को फेज़–2, सरन नगर कॉलोनी, बोलारम में आयोजित की गई प्रदर्शनी ने एक मंच के रूप में कार्य किया, उद्यमियों और छात्रों को प्रोत्साहित करने और लाने में मदद की, जनता के लिए उनके उत्पाद लाने में मदद की, जिससे उन्हें आजीविका और महिलाओं को सशक्त बनाने में मदद मिलती है – भारत भर में DEI के केंद्र, जो या तो ड्रेस डिज़ाइनिंग और टेक्सटाइल डिज़ाइनिंग कोर्स कर रहे हैं या पूरा कर चुके हैं। कुल 17 स्टॉल और लगभग 41 उद्यमी और छात्रों ने प्रदर्शनी में भाग लिया। प्रतिभागी बोलारम, दयालबाग़, विशाखापत्तनम (दयाल नगर), विशाखापत्तनम (City), विजयवाड़ा, फरीदाबाद, विजयनगरम, कुरनूल और मुंबई सहित डी.ई.आई. के विभिन्न केंद्रों से आए थे।

प्रदर्शनी का उद्घाटन श्रीमती बी. इंदुमती, संयुक्त निदेशक, हथकरघा और कपड़ा, तेलंगाना द्वारा किया गया – इस अवसर पर वे मुख्य अतिथि थीं। उद्घाटन के बाद, मुख्य अतिथि ने उत्पादों के निर्माण में शामिल सामग्री और प्रक्रियाओं के बारे में पूछताछ करने वाले सभी स्टालों का दौरा किया। उन्होंने कीमतों को भी बाजार की तुलना में बहुत उचित पाया। डॉ. पारुल भटनागर, प्रोफेसर एमेरिटस डी.ई.आई. हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण के प्रमुख ने भी प्रदर्शनी में भाग लिया।

स्टालों के दौरे के बाद, एक संक्षिप्त कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें डी.ई.आई. APAC के समन्वयक श्री वी. दक्षिणा मूर्ति ने डी.ई.आई. के छात्रों के लिए नौकरियों को सक्षम करने और इन प्रदर्शनियों के उद्देश्य और महत्व के बारे में बात की। डॉ. पारुल भटनागर ने इसके बाद DEI के टेक्सटाइल कोर्स पर एक छोटा सा वीडियो चलाया। मुख्य अतिथि, श्रीमती बी. इंदुमती ने तब समाज के सबसे निचले तबके को सस्ती कीमत पर शिक्षा प्रदान करने और इन प्रदर्शनियों जैसे मंच प्रदान करके उन्हें आजीविका कमाने में मदद करने के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए डी.ई.आई. की सराहना की। उन्होंने मीडिया से यहाँ हो रहे अच्छे काम के बारे में जनता में जागरूकता फैलाने का अनुरोध किया। विश्वविद्यालय गीत के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। मुख्य अतिथि

और प्रेस के सदस्यों को कॉलोनी के चारों ओर ले लाया गया, और उन्हें 'दयालबाग जीवन पद्धति' के बारे में जानकारी दी गई, और बताया गया कि सरन नगर, बोलारम में इसका अभ्यास कैसे किया जा रहा है।

प्रदर्शनी ने बड़ी संख्या में आगंतुकों को आकर्षित किया। 16,00,000/– रुपये में से कुल 14,00,000/– रुपये की बिक्री हुई, जो आयोजकों की अपेक्षाओं से अधिक थी। उद्यमियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया भी प्राप्त हुई और बोलारम केंद्र में आयोजित किए जा रहे विभिन्न डी.ई.आई. पाठ्यक्रमों के लिए बड़ी संख्या में पूछताछ प्राप्त हुई।

रुड़की केंद्र में प्राथमिक उपचार जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया

"प्राथमिक उपचार जागरूकता" कार्यशाला का आयोजन 2 अप्रैल, 2023 को रुड़की केंद्र में किया गया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय प्रार्थना और विश्वविद्यालय गीत के साथ शुरू हुआ। केंद्र प्रभारी ने इसका महत्व समझाया कार्यशाला और समय पर कारवाई के माध्यम से कीमती जीवन बचाने में इसकी भूमिका पर जोर दिया। तत्पश्चात श्री. वी. अगम, डेटा वैज्ञानिक, प्रैट एंड व्हिटनी कंपनी ने कार्यशाला का संचालन किया, जो विभिन्न स्थितियों की आवश्यकता को दर्शाती है जैसे तत्काल और उत्तरदायी कार्रवाई और उठाए जाने वाले कदम, प्रभावित व्यक्ति को होने वाले नुकसान को कम करना इत्यादि। कार्यशाला में सभी शिक्षक, विद्यार्थी और उनके अभिभावक शामिल हुए। घटना को स्थानीय समाचार पत्र में कवर किया गया था।

डी.ई.आई. सूचना केंद्र दयाल नगर, विशाखापत्तनम ने प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन किया

डी.ई.आई. सूचना केंद्र, दयाल नगर, विशाखापत्तनम ने 5 अप्रैल, 2023 को उन छात्रों द्वारा बनाए गए उत्पादों की प्रदर्शनी सह बिक्री का आयोजन किया, जिन्हें केंद्र में टेक्सटाइल डिजाइनिंग और प्रिंटिंग कोर्स में प्रशिक्षित किया गया था। ये छात्र सेंट जोसेफ कॉलेज फॉर विमेन, विशाखापत्तनम से हैं और हमारे संस्थान में इन्होंने तीन महीने की इंटर्नशिप की थी। इस प्रशिक्षण के संबंध में सेंट जोसेफ़ कॉलेज फॉर विमेन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

प्रदर्शनी सह बिक्री का उद्घाटन प्रोफेसर वी.वी.जी. शास्त्री, क्षेत्रीय अध्यक्ष, आंध्र राधास्वामी सतसंग एसोसिएशन और आंध्र राधास्वामी एजुकेशन सोसाइटी द्वारा किया गया। क्षेत्रीय सचिव श्री. जी रमेश बाबू, सेंट जोसेफ कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शायजी सेंट जोसेफ कॉलेज के गृह विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष सहित विभाग के कुछ अन्य कर्मचारी उद्घाटन समारोह में उपस्थित थे। इस अवसर पर दयाल नगर के शाखा सचिव एवं जिला सचिव, दयाल नगर निवासी एवं सूचना केन्द्र के छात्र एवं कर्मचारी भी उपस्थित थे। क्षेत्रीय अध्यक्ष ने बिक्री के लिए प्रदर्शित इंटर्नशिप छात्रों के उत्पादों की सराहना की। छात्रों द्वारा बनाए गए उत्पादों जैसे चुन्नी, चादर, साड़ी, टॉप, टी–शर्ट, बैग और रूमाल, का कुल मूल्य 20,000/– रुपये था, जो सब बिक गया। एस जे सी डब्ल्यू के प्राचार्य ने संस्थान को उत्कृष्ट प्रशिक्षण देने के लिए धन्यवाद दिया और प्रशिक्षकों की सराहना की और आश्वासन भी दिया कि MoU को लंबे समय तक जारी रखा जाएगा।

खण्ड 'ग' : डी.ई.आई के भूतपूर्व छात्र (AADEIs & AAFDEI)

संपादक की डेस्क से

24 फरवरी, 1966 को, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. एस. राधाकृष्णन ने जोर देकर कहा कि आदर्श रूप से एक विश्वविद्यालय को विज्ञान, मानविकी और धर्म तीनों को एक ही हिस्से के रूप में एक साथ काम करना चाहिए। अंततः उच्च शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य यह है कि यह हमें हमारी आंतरिक भावना से जोड़ती है जो हमारे होने का केंद्र है। दयालबाग़ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट की शिक्षा नीति तैयार करते समय, डी.ई.आई. के संस्थापक निदेशक, श्रद्धेय डॉ. एम. बी. लाल साहब ने यह कहते हुए प्रसन्नता व्यक्त की, ''हम समय को वापस मोड़कर पीछे ले जाना पसंद नहीं करते हैं, लेकिन सुदृढ़ होकर अच्छा करें कि हमारे समाज की वर्तमान जरूरतों को पूरा करने के लिए शिक्षा के उस स्वरूप से परिचित हों जो अधिक मानवीय और यथार्थवादी हो। ''यह शायद DEI में शिक्षा का सबसे मूल्यवान कदम है। इस अंक में पाठक का कॉलम दयालबाग़ को सहकारी कृषि के आवश्यक और अभिन्न अंग के रूप में एक स्थायी स्वास्थ्य देखभाल आवास के रूप में उजागर करता है।

टिप्पणियों और योगदानों के रूप में आपकी प्रतिक्रिया की aadeisnewsletter@gmail.com पर गहराई से सराहना की जाएगी!

मूल्य आधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का महत्त्वः

आज की मनो– सामाजिक समस्याओं के लिए रामबाण

सहज ग्रोवर

बैचः बी बी एम (ऑनर्स), डी.ई.आई. 2009; एम बी ए, डी.ई.आई. 2010 और धर्मशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा, डी.ई.आई. सूचना केंद्र करोल बाग 2012 वर्तमान में, वरिष्ठ विपणन प्रबंधक, L&T प्रौद्योगिकी सेवा, बेंगलुरु

''शिक्षा, अधिक शिक्षा, शिक्षा को परिपूर्ण बनाना हमारे देश की बुराइयों और दोषों के लिए एकमात्र रामबाण है। अधिक और वास्तविक शिक्षा के साथ, मैं यह कहने का साहस कर सकता हूं कि हम इसके लाखों लोगों की बुद्धि के सामान्य स्तर को आसानी से बढ़ा सकते हैं, इसकी आने वाली पीढ़ियों में पैदा कर सकते हैं, स्पष्ट और गहरी सोच और नए मूल्यों की सराहना करने की आदत जो अपने लोगों के अधिग्रहण के आवेग (*acquisitive impulse*)को उसकी वर्तमान दिशा से सच्चाई की दिशा में मोड़ देती है।''

–आदरणीय सर आनंद सरूप नाइट, दयालबाग़ के पूजनीय संस्थापक

वर्तमान युग में मनो–सामाजिक और नैतिक समस्याओं के गंभीर निवारण की आवश्यकता है। मानसिक स्वास्थ्य, भ्रष्टाचार, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध और अस्वास्थ्यकर व्यसन जैसी समस्याओं का समाज पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है। मूल्य–आधारित शिक्षा सभी के लिए एक न्यायपूर्ण समाज बनाने का एकमात्र समाधान है।

आज, माता–पिता अपने बच्चों को सर्वोत्तम शिक्षा प्रदान करना चाहते हैं, जो विशुद्ध रूप से अकादमिक शिक्षा से बहुत आगे तक फैली हुई है। माता– पिता का मानना है कि वैश्विक वातावरण में सफल होने के लिए उनके बच्चों का समग्र विकास महत्त्वपूर्ण है। इसके अलावा, बच्चों को मजबूत नैतिकता और मूल्यों के साथ पालना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है जो मानवता की भलाई के लिए अपने ज्ञान को लागू करना जानते हैं। यह मूल्य–आधारित शिक्षा से ही संभव है। शिक्षा का दयालबाग़ मॉडल शिक्षा के लिए एक अनूठा दृष्टिकोण है जिसमें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता है।

वैश्विक वातावरण में सफल होने के लिए उनके बच्चों का समग्र विकास महत्त्वपूर्ण है। इसके अलावा, बच्चों को मजबूत नैतिकता और मूल्यों के साथ पालना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है जो मानवता की भलाई के लिए अपने ज्ञान को लागू करना जानते हैं। यह मूल्य आधारित शिक्षा से ही संभव है। शिक्षा का दयालबाग़ मॉडल शिक्षा के लिए एक अनूठा दृष्टिकोण है जिसमें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता है।

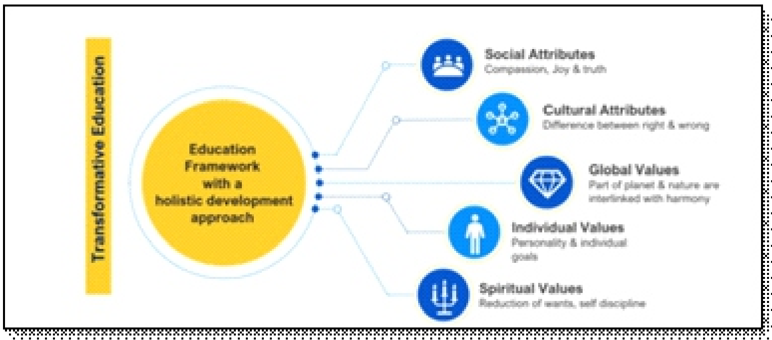

दयालबाग़ एजुकेशनल मॉडल ऑफ वैल्यू– बेस्ड एजुकेशन

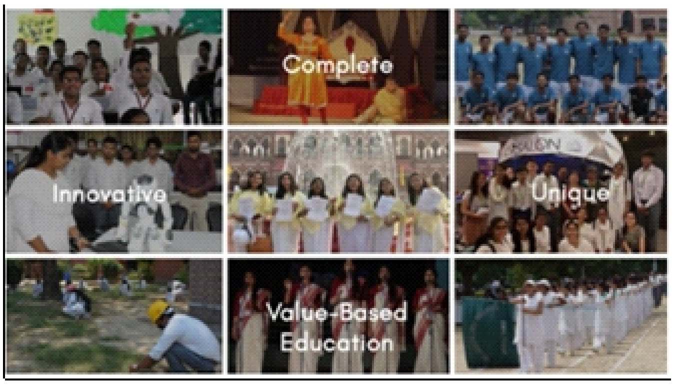

डी.ई.आई. के मूल मूल्य– समग्र विकास के स्तंभ

कुल गुणवत्ता प्रबंधन

मूल्य– आधारित शिक्षा 'एक संपूर्ण व्यक्तिः संपूर्ण गुणवत्ता वाले व्यक्ति' की ओर ले जाती है

ए कम्प्लीट मैनः ए वेल राउंडेड टोटल क्वालिटी पर्सन

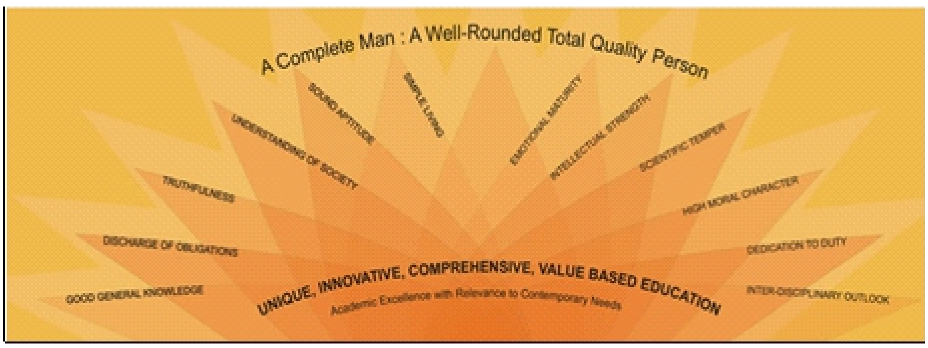

विजन 2031: दो दशक की रणनीतिक योजना 2012–2031

डी.ई.आई. stategic योजना व्यापक, निर्भीक और कार्यवाही उन्मुख है। यह एक ऐसी योजना है जो उच्च लक्ष्यों को निर्धारित करके, अपेक्षाओं को बढ़ाकर, जवाबदेही बढ़ाकर और समुदाय को ऊर्जावान बनाकर संस्था को बदल देगी। यह निम्नलिखित पर बल देता है:

- मूल्यों के साथ उच्च गुणवत्ता वाली सस्ती शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता
- शिक्षण उत्कृष्टता, सहकारी शिक्षा और अनुसंधान
- सूचना और संचार प्रौद्योगिकी
- अवसंरचना और सुविधाएं

रीडर्स कॉलम

दयालबाग़ में कृषि पारिस्थितिकी सह सटीक खेती: सभी के लिए एक सतत कृषि पारिस्थितिकी तंत्र

स्मिता सहगल

बैच: पी जी डी थियोलजी (2013), एम. ए. थियोलजी (2021), डी.ई.आई. वर्तमान में इतिहास की प्राध्यापक हैं। लेडी श्रीराम कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

डॉ. शिका वर्मा (जनवरी अंक) का लेख 'एग्रोइकोलॉजिकल एंड Precision फार्मिंग मॉडल ऑफ दयालबाग़: ए रामबाण फॉर द वर्ल्ड' अत्यंत जानकारीपूर्ण है। यह भविष्य की वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप कृषि उत्पादन के विस्तार के लिए दयालबाग़ के दृष्टिकोण पर प्रकाश डालता है। 1943 की शुरुआत में छठे आध्यात्मिक नेतृत्वकर्ता परम गुरु मेहताजी महाराज द्वारा शुरू किए गए निरंतर कृषि क्षेत्र के काम की आवश्यकता का समर्थन करता है। दयालबाग़ ने अथक परिश्रम और समर्पण की मिसाल पेश करके आशा की एक किरण प्रदान की। दयालबाग़ के निवासी न केवल एक संकट का समाधान कर रहे थे, बल्कि उन किसानों को श्रद्धांजलि भी दे रहे थे, जिन्होंने साल भर मेहनत करके हमारे लिए भोजन उपलब्ध कराया था। इसके अलावा, जब यह आध्यात्मिक मार्गदर्शन के तहत किया जाता है तो यह एक साथ भौतिक, आर्थिक और आध्यात्मिक लाभों को जोड़ता है।

दयालबाग़ में प्रचलित कृषि पारिस्थितिकी सह सटीक खेती का नवीनतम उदाहरण यह है कि यह जहरीले कीटनाशकों से मुक्त पौष्टिक, स्वस्थ जैविक अनाज, दालें और सब्जियां प्रदान करने में सबसे सफल रही है। जैविक फसल उत्पादन, डेयरी गतिविधियों, खेतों में सौर ऊर्जा का उपयोग, शुष्क भूमि पर कृषि प्रयोग, स्वास्थ्य देखभाल आवास का निर्माण आदि का संयोजन सभी के लिए एक अच्छे लैक्टो – शाकाहारी आहार को बढ़ावा देता है। सभी की भागीदारी, छोटे बच्चों से लेकर बहुत बूढ़े तक, जाति, लिंग और वर्ग से परे, हमारे समाज को पीड़ित करने वाले सामाजिक और लैंगिक भेदभाव के लिए एक व्यावहारिक मुक्ति समाधान के रूप में है। चीन में माओ की सांस्कृतिक क्रांति की याद आती है जब उन्होंने विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों, इंजीनियरों और अन्य पेशेवरों को जबरन कृषि क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया था क्योंकि उनके पास श्रम की गरिमा की समझ नहीं थी। इसने बहुत नाराजगी पैदा कर दी थी, क्योंकि कई लोगों को अवशोषित करने के लिए बदलाव बहुत कट्टरपंथी था। दयालबाग़ मॉडल, दूसरी ओर, मिट्टी से जुड़े रहने और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों को भी जारी रखने का एक शानदार अवसर प्रदान करता है। मॉडल प्रकृति में विकासवादी और समग्र है और न केवल कृषि और आर्थिक वैश्विक मुद्दों को हल करने पर बल्कि मानवता के लिए निःस्वार्थ सेवा के लक्ष्यों के प्रति जनता की सामूहिक चेतना को सम्मानित करने पर भी संरचित है। यह उन सभी को आध्यात्मिक वृद्धि के अपने लक्ष्य की दिशा में भी काम करने की अनुमति देता है।

दयालबाग़ के प्रयासों को वैश्विक प्रतिक्रिया दिखाई दे रही है। हाल ही में, 12 फरवरी, 2023 को जर्मन संसदीय प्रतिनिधिमंडल

ने दयालबाग़ में सौर फार्मों का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल कृषि के कौशल, समुदाय आधारित मॉडल, स्वास्थ्य देखभाल आवास और सतत विकास की पहल से प्रभावित हुआ और 'अच्छे भविष्य का रास्ता' दिखाने के लिए दयालबाग़ को बधाई दी।

विचारोत्तेजक लेख
प्रिया सिंह

बैचः एम बी एम (1993), धर्मशास्त्र में पी जी डी (2012) वर्तमान में, केंद्र प्रभारी, डी.ई.आई. चेन्नई सूचना केंद्र

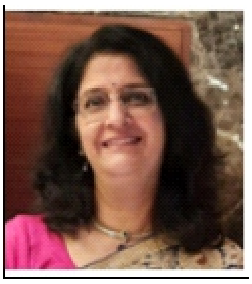

डी.ई.आई. न्यूज़लेटर के फरवरी अंक में, दो लेख बहुत ही रोचक और विचारोत्तेजक थे। ये दोनों लेख इस बात से संबंधित थे कि कैसे हमारा पर्यावरण हमारी चेतना पर गहरा प्रभाव डाल सकता है।पहला लेख 'वन्यजीव फोटोग्राफी के माध्यम से संरक्षण जीव विज्ञान के प्रति जागरूकता' वास्तव में एक आँख खोलने वाला था क्योंकि यह सामने आया कि कैसे ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया की मदद से फोटोग्राफी बड़े पैमाने पर लुप्तप्रायः प्रजातियों और पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण और जैव विविधता के बारे में जनता को संवेदनशील बनाने में मदद कर सकती है। लेखक ने ठीक ही कहा है कि जब सोशल मीडिया में फोटोग्राफी के माध्यम से वन्य जीवन और जैव विविधता को प्रभावित करने वाले प्रमुख मुद्दों को जनता के ध्यान में लाया जाता है, तो यह मनुष्यों में सामाजिक चेतना विकसित करने में मदद करेगा, जिससे वे हमारे ग्रह के प्रति अपनी भूमिका और जिम्मेदारी के बारे में अधिक गंभीर होंगे।

दूसरा लेख 'प्रकृति का गहन अध्ययन में हाथ' सूक्ष्म लेकिन मजबूत संबंध पर जोर देता है जो प्रकृति का मनुष्य के साथ है। बच्चे, किशोर और वयस्क– जब वे प्रकृति की सुंदरता से घिरे खुले में समय बिताते हैं तो सभी को अत्यधिक लाभ होता है। मैं लेखक से पूरी तरह सहमत हूं कि दयालबाग में ताजी हवा, प्रदूषण मुक्त वातावरण और जैव विविधता के साथ– साथ कृषि कार्य जो लोगों को सीधे प्रकृति से जोड़ने में मदद करता है, शरीर, मन और आत्मा को फिर से जीवंत करता है। माँ प्रकृति हमें बहुत सी चीजों को सीखने और आत्मसात् करने में मदद करती है जो अगर ईमानदारी से की जाए तो यह हमें विकसित करने और हमारी चेतना के स्तर को ऊपर उठाने में सक्षम बनाती है।

पूर्व छात्र बाइट्स...

"दयालबाग़ में शिक्षा की सबसे बड़ी उपलब्धि है..."

"...श्रम की गरिमा, विनम्रता और सेवा की भावना, जो मेरे व्यक्तित्व में अंतर्निहित है और जिसने मुझे व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों स्तरों पर महान ऊंचाइयों को प्राप्त करने में मदद की है। डीईआई ने एक व्यक्ति और पेशेवर के रूप में मेरे जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मैं मुझे एक बेहतर इंसान के रूप में विकसित होने में मदद करने के लिए मैं अपनी मातृ संस्था को धन्यवाद देने में असमर्थ हूँ।"

– पायल सिंह, बैचः एम बी एम (2005) वर्तमान में, पी एच डी स्कॉलर, डी.ई.आई. और आई आई टी दिल्ली; कोषाध्यक्ष– नोएडा महिला संघ, नोएडा शाखा

"....सरलता और सरलता में खुशी और आशा ढूँढना। आत्मसात किए गए मूल्य हमारे सबसे बड़े खजाने हैं। ये हमें मुश्किल समय में ताकत देते हैं और हमें हमेशा सही के लिए खड़े होने के लिए मार्गदर्शन करते हैं।"

–कपिल भटनागर, बैचः REI (1988); वर्तमान में, प्रबंधक– गुणवत्ता IFB ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड

प्रकाशन समितियाँ / सम्पादकीय बोर्ड

डी.ई.आई.

संरक्षक
प्रो. पी.के. कालरा

मुख्य संपादक
प्रो. जे.के. वर्मा

संपादक
डॉ. सोना दीक्षित

डॉ. सोनल सिंह

डॉ. अक्षय कुमार सत्संगी

डॉ. बानी दयाल धीर

सदस्य
डॉ. चारु स्वामी

डॉ. नेहा जैन

डॉ. सौम्या सिन्हा

श्री आर.आर. सिंह

प्रो. प्रवीण सक्सेना

प्रो. वी. स्वामी दास

डॉ. रोहित राजवंशी

डॉ. भावना जौहरी

सलाहकार
प्रो. एस.के. चौहान

अनुवादक
डॉ. नमस्या

डॉ. निशीथ गौड़

डी.ई.आई.–ओ.डी.ई.
(डी.ई.आई. ऑनलाइन और दूरस्थ शिक्षा)

संरक्षक
प्रो. पी.के. कालरा

प्रो. वी.बी. गुप्ता

संपादकीय सलाहकार
प्रो. एस.के. चौहान

प्रो. जे.के. वर्मा

संपादकीय मंडल
डॉ. सोनल सिंह

डॉ. मीना पायदा

डॉ. लॉलीन मल्होत्रा,

डॉ. बानी दयाल धीर

श्री राकेश मेहता

अनुवादक
डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा

डी.ई.आई. Alumni
(AADEIs & AAFDEI)

संपादक
प्रो. गुर प्यारी जंडियाल

संपादकीय समिति
डॉ. सरन कुमार सतसंगी,

प्रो. साहब दास

डॉ.बानी दयाल धीर

श्रीमती शिफाली सत्संगी

श्रीमती अरुणा शर्मा

डॉ.स्वामी प्यारी कौड़ा

डॉ. गुरप्यारी भटनागर

डॉ. वसंत वुप्पुलुरी

अनुवादक
डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा

प्रशासनिक कार्यालय:
पहली मंजिल, 63,
नेहरू नगर,
आगरा –282002

पंजीकृत कार्यालय:
108, साउथ एक्स प्लाजा –1,
साउथ एक्सटेंशन पार्क II,
नई दिल्ली–110049

चित्रण, मुद्रण एवं ई–प्रकाशन: दयालबाग़ प्रेस